Q. बिहार को कृषि प्रदेशों में विभाजित करें।

Divide Bihar into agricultural regions.

कृषि सबसे प्रधान प्राथमिक उद्यम है जो सदियों से सभ्य समाज के क्रियाकलाप की प्रतीक रही है। यह न केवल भारतीय अर्थ-व्यवस्था की रीढ़ है अपितु एक विशाल जनसंख्या की जीवन पद्धति रही है।

बिहार की अर्थव्यवस्था में भूमि संसाधन का स्थान सर्वोपरि है। भारत के कुल 5.3% क्षेत्रफल वाला यह राज्य देश का कुल 8 से 10% खाद्यान्न उत्पन्न करता है। इस राज्य की कुल 63% भूमि कृषि योग्य है लेकिन 44-50% भू-भाग पर ही शुद्ध रूप से कृषि की जाती है।

बोई गई भूमि का फसलगत उपयोग कृषि प्रदेश का आधार है। पर्यावरणीय विविधता और मानवीय आवश्यकता के अनुसार भिन्न क्षेत्रों में भिन्न फसलें उगाई जाती हैं। कभी-कभी एक ही खेत में अनेक फसलें उगाई जाती है ताकि मौसम की मार से बचा जा सके। इस प्रकार फसलों से अधिकतम उत्पादन एवं आर्थिक लाभ प्रत्येक कृषक उठाना चाहता है। उसका प्रयास यह होता है कि वह अपने परिवार के खाद्यान्न की आवश्यकता पूरी कर सके तथा कुछ ऐसी फसलों का भी उत्पादन करें जिसे बेचकर कुछ नकद आमदनी कर सके। इसके लिए वह सदैव विभिन्न फसलों का ऐसा साहचर्य स्थापित करता है जो क्षेत्र की भौगोलिक दशाओं की सीमा में अधिकतम लाभप्रद

हो। साथ ही साथ उसकी बोआई-कटाई आदि का ऐसा सामंजस्य हो ताकि उपलब्ध श्रम का वर्ष भर सदुपयोग हो सके।

बिहार में आजीविका प्रधान होने के कारण सभी किसान खाद्यान्न उगाते हैं। चूंकि चावल संपूर्ण प्रदेश में प्रमुख भोजन है, अतः धान की खेती सभी जनपदों में की जाती है। खेत में जहाँ दोमट-मिट्टी और सिंचाई की सुविधा है गेहूँ प्रधान फसल है। इसी प्रकार मकका, खेसारी, चना, जौ, मडुआ अन्य प्रमुख खाद्यान्न है जो क्षेत्रीय आवश्यकता एवं विशेषता के अनुसार उगाये जाते हैं। इसके अलावा गन्ना, पटसन, सब्जी और फल आदि प्रमुख मुद्रादायिनी फसलें हैं।

संपूर्ण राज्य में धान एकमात्र प्रधान फसल है। फसलों के अंतर्गत संलग्न भूमि को ध्यान में रखकर राज्य को आठ फसल साल्चर्य क्षेत्रों में वर्गीकृत किया गया है जो निम्न है :-

INDEX

①	धान-गेहूँ-गन्ना क्षेत्र →	Rice-wheat-sugarcane
②	धान-गेहूँ-मक्का क्षेत्र →	Rice-wheat-Maize
③	धान-गेहूँ-खेसारी क्षेत्र →	Rice-wheat-Khesari
④	धान-पटसन-गेहूँ क्षेत्र →	Rice-Jute-wheat
⑤	धान-गेहूँ-पटसन क्षेत्र →	Rice-wheat-Jute
⑥	मक्का-गेहूँ-धान क्षेत्र →	Maize-wheat-Rice
⑦	धान-मक्का-गेहूँ क्षेत्र →	Rice-Maize-wheat
⑧	धान-मक्का-चना क्षेत्र →	Rice-Maize-Gram ;

BIHAR

Crop combination regions
(Based on 1st three crops)

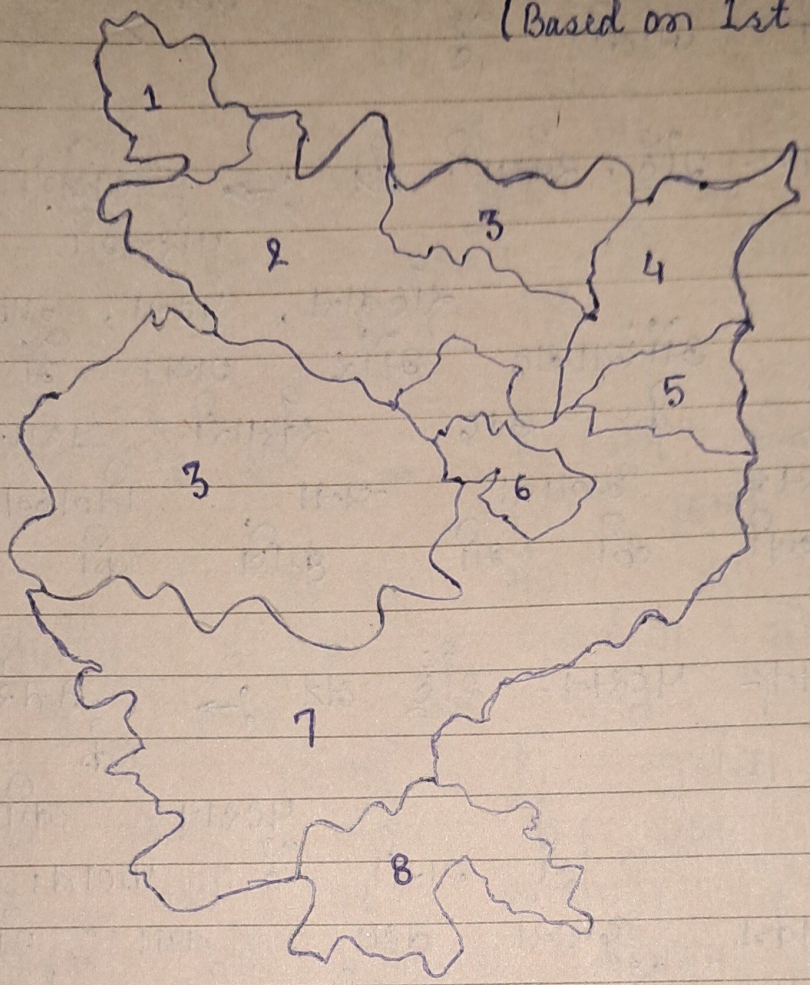

1. धान - गेहूँ - गन्ना क्षेत्र :-> यह फसल संपूर्ण पश्चिमी-चंपारण में पाया जाता है जहाँ खरीफ में धान, रबी में गेहूँ प्रधान रूप से उगाये जाते हैं। गन्ना यहाँ की प्रमुख मुद्रादायिनी फसल है। यहाँ बिहार का 45.6 % गन्ना उत्पादित किया जाता है। इन फसलों के अलावा यहाँ जौ, मक्का, फल और सब्जी की कृषि की जाती है।

2. धान - गेहूँ - मक्का क्षेत्र :-> उत्तर-पश्चिम बिहार से लेकर कोशी नदी के क्षेत्र तक खरीफ में धान, मक्का तथा रबी में गेहूँ की प्रधानता है। ये यहाँ खाद्यान्न के रूप

में उगाये जाते हैं। इस क्षेत्र की अन्य फसलों में गन्ना, साग, सब्जी, जौ, खेसारी, चना, तथा फल आदि की कृषि की जाती है।

3. धान- गेहूँ - खेसारी क्षेत्र :→ दक्षिणी गंगा मैदान के पश्चिमी भागों - भोजपुर, रोहतास, पटना, नालंदा, जहानाबाद, औरंगाबाद और गया में धान और गेहूँ के बाद खेसारी प्रधान फसल है। इसके अलावा चना तिलहन, दलहन तथा सब्जी की भी कृषि की जाती है।

4. धान- पटसन- गेहूँ क्षेत्र :→ उत्तरी गंगा मैदान के पूर्वी छोर पर पटसन की कृषि प्रधानतः हो गयी है फलतः धान के बाद इसका दूसरा तथा तथा गेहूँ का तीसरा स्थान है। इस क्षेत्र के अंतर्गत पूर्णिया, अररिया, तथा किशनगंज जिले आते हैं। यहाँ के अन्य फसलों में मक्का, फल और सब्जी प्रमुख है।

5. धान- गेहूँ- पटसन क्षेत्र :→ इस क्षेत्र के अंतर्गत कटिहार जिला आता है। यहाँ गेहूँ का महत्व पटसन से अधिक है। यहाँ के अन्य फसलों में मक्का, सब्जी, फल आदि प्रमुख हैं। यहाँ धान, गेहूँ खाद्यान्न तथा पटसन मुद्रादायिनी फसल हैं।

6. मक्का- गेहूँ- धान क्षेत्र :→ यह बिहार का एकमात्र ऐसा क्षेत्र है जहाँ धान की खेती तीसरे

नम्बर पर है। इस क्षेत्र के अन्तर्गत बेगूसराय जीला आता है जो अकेले बिहार का २२% मक्का उत्पादित करता है। यहाँ 1 लाख हेक्टेयर भूमि पर मक्का की कृषि की जाती है जो कि इस जिले की एक-तिहाई भूमि से भी अधिक है। यहाँ के अन्य फसलों में जौ, चना, दलहन एवं तिलहन का महत्व है।

7. धान- मक्का- गेहूँ क्षेत्र :→ सिंहभूम जिला के अतिरिक्त संपूर्ण पहारी भाग और द० गंगा मैदान का पूर्वी भाग इसके अंतर्गत आता है। खगड़िया और समस्तीपुर में भी ये फसल पाए जाते हैं। यहाँ जिस क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा है वहाँ गेहूँ पैदा किया जाता है। धान तथा मक्का की कृषि वर्षा पर आधारित है। यहाँ की अन्य फसलों में मडुआ, तिलहन, दलहन एवं सब्जी की कृषि होती है।

8. धान- मक्का- चना क्षेत्र :→ पहार के दक्षिणी धार पर स्थित सिंहभूम जिले में ये फसल उगाये जाते हैं।

यहाँ धान एवं मक्का के बाद चना तिसरा प्रमुख फसल है। अन्य फसलों में गेहूँ, मडुआ, तिलहन, सब्जी तथा फल की कृषि की जाती है।

इस प्रकार बिहार में फसल साहचर्य के उपरोक्त सर्वेक्षण से स्पष्ट है कि यहाँ की कृषि में मानवीय पक्ष अधिक महत्वपूर्ण है। अतः आबादी से बोझिल होने के कारण खाद्यान्नों का महत्व सबसे अधिक है।

यही कारण है कि बिहार के सम्पूर्ण पठारी भाग में धान, मक्का तथा गेहूँ का फसल उगाया जाता है।